हिन्दी साहित्य का इतिहास

आधुनिक काल

इकाई -१

हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल :एक परिचय

Dr Rajan T K
Assistant Professor of Hindi
SDE, University of Kerala
Thiruvananthapuram

Telegram:@Officialdumaterial

प्रस्तावना

- उन्नीसवीं सदी के मध्य से आधुनिक काल का प्रारंभ
- गद्य साहित्य की प्रचुरता
- नाटक, उपन्यास, कहानी, आलोचना, रेखाचित्र, निबंध आदि विधाओं का विकास
- मानव जीवन के विभिन्न पहलुओं की अभिव्यक्ति
- देशभक्ति, धार्मिकता, सुधारवादी आन्दोलन
- पुनरुत्थानवाद और नवजागरण
- सामाजिक नीतियाँ और राजनीतिक परिवर्तन

Telegram@Officialdumaterial

खडी-बोली गद्य का विकास

- दिल्ली –मीरेठ के निकटस्थ गॉववालों की बोली
- खड़ी –बोली को फारसी में प्रस्तुत करने का प्रयास
- खड़ी-बोली के विकास में अंग्रेज़ी का योगदान
- जनसाधारण की भाषा –खडी-बोली में काम चलाने का प्रयास

Telegram:@Officialdumaterial

हिन्दी खड़ी-बोली और फोर्ट विलियम कॉलेज

- 1800 ई॰- फोर्ट विलियम कॉलेज की स्थापना
- खडी-बोली की तीन शैलियाँ- डॉ गिलक्रिस्ट
- १.दरबारी या फारसी शैली
- २.हिन्दुस्तानी शैली
- ३.हिन्दवी शैली
- वे हिन्दुस्तानी शैली के समर्थक थे
- 1802ई॰- लल्लूजी लाल की नियुक्ति

Telegam:@Officialdumaterial

ईसाई धर्म का प्रचार कार्य और खड़ी-बोली गद्य

- धर्म प्रचार केलिए बाइबिल का अनुवाद जन भाषा में किया
- अंग्रेज़ी के साथ –साथ हिन्दी –उर्दू भाषा की पठाई की व्यवस्था
- आग्रा में स्कूल –बुक सोसाईटी(1833) तथा छापाखानों की स्थापना
- हिन्दी में इतिहास और भूगोल की पाठ्य पुस्तकों की रचना
- भूगोल सार (1841),रसायन प्रकाश (1847) आदि का प्रकाशन(गद्य पाठ्य पुस्तकों का प्रकाशन)

Telegram:@Officialdumaterial

हिन्दी के समाचार पत्र

- खडी-बोली के विकास में समाचार पत्रों का योगदान
- 1826ई॰ - उदन्त मार्तोण्ड (हिन्दी का पहला समाचार पत्र – युगल किशोर सुकुल के नेतृत्व में कोलकत्ता से निकाला)
- 1845ई॰ –बनारस अखबार (राजा शिवप्रसाद)
- 1850ई॰ सुधारक –(शुद्ध खडी –बोली में)
- 1860ई॰प्रजा हितैषी-(राजा लक्ष्मण सिंह के संपादकत्व में)
- 1863ई॰ लोकमित्र (आग्रा से)
- 1867ई॰ज्ञान प्रदायनी पत्रिका (नवीन चन्द्र -संपादक)

Telegram@Officialdumaterial

उर्दू -हिन्दी के समर्थक

- उर्दू तत्कालीन संयुक्त प्रान्त के दफ्तरों की भाषा बन गयी
- हिन्दी धर्म ,पुराण आदि सुनने -सुनाने की भाषा
- गार्सा द तासी,सैयद अहमद ,राजा शिवप्रसाद सितारे हिन्द आदि उर्दू के समर्थक
- राजा लक्ष्मण सिंह ,भारतेन्दु हरिश्चन्द्र –हिन्दी के पक्षधर

Telegram:@Officialdumaterial

स्वामी दयानंद सरस्वति की हिन्दी सेवा

- आर्य समाज की स्थापना (1875)
- वैदिक धर्म के समर्थक
- सत्यार्थ प्रकाश की रचना की (परिमार्जित हिन्दी में)

Telegram:@Officialdumaterial

खडी-बोली के प्रारंभिक रचनाकार

- लल्लूजी लाल-फोर्ट विलियम कॉलेज के अध्यापक
- प्रेमसागर की रचना (खड़ी-बोली में ,श्रीमद् भागवत के आधार पर लिखित)
- ब्रज भाषा का प्रभाव
- सदल मिश्र – फोर्ट विलियम कॉलेज के अध्यापक
- नासिकेतोपाख्यान (नचिकेता की कहानी ,खड़ी-बोली में)
- मुंशी सदासुखलाल ‘नियाज ‘-सुख सागर की रचना की
- संस्कृत मिश्रित खड़ी-बोली का प्रयोग
- इंशा अल्ला खां –उर्दू के प्रसिद्ध कवि
- रानी केतकी की कहानी या उदयभान चरित की रचना
- फारसी भाषा का प्रभाव

Telegram:@Officialdumaterial

काल विभाजन

- भारतेन्दु युग(नवजागरण काल) -सन् 1857-1903
- द्विवेदी युग (परिमार्जन काल)-सन्1903 -1920
- गाँधी युग (उत्कर्ष काल)-सन् 1920-1947
- स्वातंत्रयोत्तर हिन्दी साहित्य -1947-आज तक

Telegram:@Officialdumaterial

इकाई -2
भारतेन्दु युगीन साहित्य

- प्रस्तावना
- सामाजिक ,राजनैतिक ,साँस्कृतिक,साहित्यिक गतिविधियों का परिचय
- रचनाकार एवं रचनाओं का अध्ययन
- मानव जीवन की विषमताओं की अभिव्यक्ति

Telegram:@Officialdumaterial

सामजिक परिवेश

- तत्कालीन सामाजिक –राजनीतिक परिवेश का प्रभाव
- यथार्थ की अभिव्यक्ति
- आर्थिक समस्या ,स्वतंत्रता,स्त्री शिक्षा ,धार्मिक पाखण्ड हिन्दी भाषा आदि पर विचार
- उपन्यास .कहानी ,नाटक ,निबंध ,आलोचना ,कविता , रेखाचित्र आदि विधाओं का विकास

Telegram:@Officialdumaterial

भारतेन्दु युग(1850-1903)

- आधुनिक हिन्दी के युग प्रवर्तक
- अंग्रेज़ों का शासन –शोषण व्यवस्था
- प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857)
- चुंगी की व्यवस्था
- विद्रोह का स्वर
- साहित्य के माध्यम से इन सब की अभिव्यक्ति

Telegram:@Officialdumaterial

भारतेंदुयुगीन निबंध

- अनेक पत्र-पत्रिकाएँ प्रकाशित
- विचारों की प्रस्तुति निबंधों के माध्यम से
- ललित, विचारपरक, अनौपचारिक और व्यंग्य-विनोद पूर्ण निबंध
- बालकृष्ण भट्ट –प्रथम निबंधकार
- राधाचरण गोस्वामी, भारतेंदु, आदि प्रमुख निबंधकार
- स्वर्ग की विचार सभा, यमलोक की यात्रा –प्रसिद्ध रचनाएँ

Telegram:@Officialdumaterial

भारतेन्दुयुगीन नाटक

- अधिकांश नाटक व्यंग्य पूर्ण है –यथार्थबोध
- मौलिक तथा अनुदित नाटकों की रचना
- प्रेम का वर्णन ,देश दशा आदि का चित्रण-चन्द्रावली नाटिका(प्रेमपूर्ण नाटक),भारत दुर्दशा(देश दशा),अंधेर नगरी (व्यंग्य)
- लाला श्रीनिवास दास ,प्रतापनारायण मिश्र ,राधाचरण गोस्वामी प्रमुख नाटककार

Telegram:@Officialdumaterial

भारतेन्दुयुगीन उपन्यास

- नीतिपरक उपन्यास ,तिलस्मी –ऐयारी उपन्यास ,हिन्दु–मुसलमान मैत्री आदि से संबंधित रचनाएँ
- देवकीनंदन खत्री –सर्वाधिक प्रसिद्ध एवं लोकप्रिय उपन्यासकार
- लाला श्रीनिवास दास-परीक्षागुरू
- बालकृष्ण भट्ट –सौ अजान और एक सुजान
- राधाकृष्ण दास-निस्सहाय हिंदु
- देवकीनंदन खत्री –चन्द्रकान्ता और चन्द्रकान्ता संतति
- किशोरीलाल गोस्वामी –आदर्शरमणी व लवंग लता

Telegram:@officialdumaterial

भारतेन्दुयुगीन कहानी

- भारतेन्दु युग में कहानी बहुत कम थी
- भारतेंदु की आत्मकथात्मक कहानी- 'आप बीती जग बीती' ने बहुत ख्याति अर्जित की
- राजा शिवप्रसाद सितारेहिंद की कहानी – 'राजा भोज का सपना'
- बाण रचित कादम्बरी का कहानी रूप में अनुवाद- गजाधर सिंह ने किया

Telegram:@Officialdumaterial

भारतेन्दुयुगीन आलोचना

- पाश्चात्य सभ्यता एवं संस्कृति का प्रभाव
- वैज्ञानिक अनुसंधान ,औद्योगिक क्रान्ति ,राष्ट्रीय एकता ,जनतांत्रिक जीवन व्यवस्था ,विचार स्वातंत्रय ,जीवन के प्रति बौधिक एवं उपयोगितावादी दृष्टिकोणआदि का भी प्रभाव
- भारतेंदु –हिन्दी आलोचना के प्रमुख प्रवर्तक
- नाटक –प्रमुख निबंध है-नाटक की दृश्यता और प्रभावोत्पादकता पर बल दिया
- बालकृष्ण भट्ट –हिन्दी के प्रथम आलोचक
- संयोगिता स्वयंवर पर लिखित आलोचना –प्रथम आलोचना (1886)
- रीतिकालीन नायक-नायिका भेद ,नख-शिख वर्णन,ऋतु-वर्णन-आदि का विरोध

Telegram:@Officialdumaterial

भारतेन्दुयुगीन कविता

- वैचारिकता और गद्यात्मकता का प्रभाव
- भक्ति और काव्य रीति –दोनों परम्पराओं में कव्य रचना
- जीवन की समस्याएँ कविता का विषय
- सामजिक दुर्दशा का वर्णन
- प्रकृति वर्णन ,तत्सम देशी शब्दों का प्रयोग
- भारतेंदु,बदरीनारायण चौधरी 'प्रेमधन',प्रताप नारायण मिश्र ,अम्बिकादत्त व्यास,राधाचरण गोस्वामी –प्रमुख कवि
- प्रेम मालिका ,प्रेम सरोवर ,गीत गोविन्द जीर्ण जनपद, आनन्द अरुणोदय,प्रेम पुष्पावली,पावस पचासा –रचनाएँ

Telegram@Officialdumaterial

प्रमुख रचनाकार
भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

- 1850ई॰ में भारतेन्दु का जन्म
- बहुमुखी प्रतिभा संपन्न रचनाकार
- वैदिकी हिंसा –हिंसा न भवति ,भारत दुर्दशा ,नीलदेवी अंधेर नगरी –मौलिक नाटक
- विद्यासुंदर ,धनंजय विजय ,मुद्राराक्षस,सत्य हरिश्चन्द्र –अनुदित नाटक
- बादशाह दर्पण ,और काश्मीर कुसुम –इतिहास ग्रन्थ
- रामलीला ,हमीर हठ,सुलोचना ,शीलवती –उपन्यास
- सबै जाति गोपाल की ,मित्रता,सूर्योदय,जयदेव –निबंध
- प्रेमाश्रुवर्णन ,प्रेम माधुरी ,प्रेम तरंग ,प्रेम प्रलाप ,गीतगोविन्द ,
- होली ,रामलीला आदि काव्य कृतियाँ
- 1885 ई॰ में निधन .

Telegram:@Officialdumaterial

प्रतापनारायण मिश्र (1856-1894)

- कवि ,पत्रकार ,निबंधकार,नाटककार
- ब्राह्मण –मासिक पत्रिका का संपादन
- दैनिक जीवन की घटनाओं पर कविताएँ
- देश की तत्कालीन दशा तथा राजनीतिक चेतना का वर्णन
- प्रेम पुष्पावाली ,मन की लहर .लोकोक्ति शतक ,तृप्यन्ताम ्,श्रंगार विलास,कौतुक रूपक जारी खुआरी-प्रमुख कृतियाँ

Telegram@Officialdumaterial

बदरीनारायण चौधरी‘प्रेमधन’(1855-1923)

- जीर्णजनपद, आनन्द अरुणोदय, हार्दिक हर्षादर्श ,मयंक महिमा, अलौकिक लीला, वर्षा बिन्दु, लालित्य लहरी, ब्रजचन्द पंचक- प्रसिद्ध रचनाएँ
- राजभक्ति एवं राष्ट्रीयता का समावेश
- देश की दुरवस्था का चित्रण
- ब्रज भाषा में काव्य सृजन
- आनन्द कादम्बिनी (मासिक),नागरी नीरद (साप्ताहिक) के संपादक

Telegram:@officialdumaterial

अंबिकादत्त ब्यास (1858-1900)

- पावस पचासा, सुकवि सतसई, हो हो होरी, बिहारी विहार-काव्य रचनाएँ
- ‘अवतार मीमांसा’ धार्मिक ग्रंथ
- कंस वध- प्रबंध काव्य (अपूर्ण) -खडी-बोली भाषा में
- गद्यकव्य मीमांसा –गद्य रचना
- ललित नाटिका,गोसंकट (नाटक)
- ललित ब्रज भाषा में काव्य लिखने का प्रयास

Telegram@Officialdumaterial

ठाकुर जगमोहन सिंह (1857-1899)

- प्रेम संपत्ति लता ,श्यामलता,श्याम सरोजिन ी,देवयानी-प्रमुख रचनाएँ
- मेघदूत, ऋतुसंहार (अनुदित)
- श्रंगार वर्णन एवं प्रकृति प्रेम की कविताएँ
- अलंकरों का स्वाभाविक प्रयोग
- ब्रज भाषा में काव्य सृजन

Telegram:@Officialdumaterial

इकाई 3
द्विवेदी युगीन साहित्य (1903-1920)

- प्रस्तावना
- युग प्रवर्तक –आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी
- सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेश
- हिन्दी गद्य का विकास
- प्रमुख रचनाकार और उनकी रचनाएँ
- प्रमुख प्रवृत्तियाँ

Telegram:@Officialdumaterial

द्विवेदी युग(1864-1938)

- महावीर प्रसाद द्विवेदी –युग प्रवर्तक
- खडी-बोली हिन्दी का विकास
- भारत की संपर्क भाषा
- 1903में सरस्वती पत्रिका का संपादक
- नायिका-भेद को छोड़कर विविध विषयों पर काव्य लिखने की प्रेरणा
- कवि-कर्त्तव्य के बारे में संकेत
- हिन्दी भाषा का सुधार
- खड़ीबोली को काव्य-भाषा का रूप देने का प्रयास

Telegram:@Officialdumaterial

द्विवेदी युग और हिन्दी का प्रचार

- 1884 - प्रयाग में हिन्दी उद्धारिणी प्रतिनिधि सभा की स्थापना
- 1893 – काशी नागरी प्रचारिणी सभा का स्थापन
- बाबू श्यामसुन्दर दास,पं.रामनारायण मिश्र,शिवकुमार सिंह आदि का नेतृत्व
- नागरी अक्षरों का प्रचारऔर हिन्दी साहित्य को समृद्ध करना आदि मुख्य लक्ष्य
- प्राचीन हस्तलिखित पुस्तकों की खोज ,उत्कृष्ट पुस्तकों का प्रकाशन,हिन्दी शब्द सागर, हिन्दी व्याकरण,हिन्दी साहित्य का इतिहास आदि ग्रंथों का प्रकाशन
- समाचार पत्र एवं पत्रिकाओं का प्रकाशन

Telegram:@Officialdumaterial

द्विवेदी युगीन निबंध

- युग की सबसे महत्वपूर्ण विधा
- आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी ,पं.माधवप्रसाद मिश्र बाबू बालमुकुन्द गुप्त, श्यामसुंदर दास, चंद्रधर शर्मा गुलेरी –प्रमुख निबंधकार
- कछुआ धर्म मज़दूरी और प्रेम, सच्ची वीरत ,शिवशम्भू के चिट्ठे- प्रमुख निबंध रचनाएँ
- विचार प्रधान निबन्धों की रचना
- भाषा शैली में प्रौढ़ता
- साहित्यिक एवं वैचारिक निबंधों पर ध्यान देना

Telegram:@officialdumaterial

द्विवेदी युग :उपन्यास

- हिन्दी उपन्यासों की अविच्छिन्न परंपरा इस युग में प्रारंभ हुई |
- किशोरी लाल गोस्वामी ,लज्जाराम शर्मा ,अयोद्यासिंह उपाध्याय , राधिकारमण प्रसाद सिंह,गोपालराम गहमरी-प्रमुख उपन्यासकार |.
- जिंदे की लाश ,तिलस्मी शीशमहल ,लीलावती -जासूसी उपन्यास (किशोरीलाल गोस्वामी)
- सरकटी लाश, जासूस की भूल ,गुप्त भेद –जासूसी उपन्यास (गोपालराम गहमरी)
- अयोध्यासिंह उपाध्याय-ठेठ हिन्दी का ठाठ ,अधखिला फूल- सुधारवादी उपन्यास (हिन्दू समाज की कुरीतियों के खिलाफ)
- मनोरंजन केलिए लिखा गया उपन्यास
- उपदेशात्मक वृत्ति एवं सुधारवादी दृष्टि

Telegram:@Officialmaterial

द्विवेदी युगीन कविता

- खडी-बोली –काव्य की भाषा
- प्रबंध काव्य लिखने का प्रयास
- रीतिवाद का विरोध
- लोक जीवन –काव्य का विषय
- प्रकृति और जीवन का सामंजस्य
- अयोध्यासिंह उपाध्याय ‘हरिऔध’,श्रीधर पाठक , मैथिलीशरण गुप्त ,गोपालशरण सिंह –प्रमुख रचनाकार
- प्रियप्रवास , एकांतवासी योगी ,भारत भारती ,साकेत यशोधरा ,मिलन ,पथिक –प्रमुख रचनाएँ

Telegram:@Officialdumaterial

द्विवेदी युगीन काव्य की प्रवृत्तियाँ

- राष्ट्रीयता,देशप्रेम,अतीत गौरव
- प्रबंध रचना की प्रवृत्ति
- नैतिकता एवं आदर्शवाद
- प्रकृति चित्रण
- सामाजिक समस्याओं का चित्रण

Telegram:@Officialdumaterial

द्विवेदी युग :कहानी

- आधुनिकता का प्रभाव
- किशोरीलाल गोस्वामी ,आचार्य रामचंद्र शुक्ल , राजेन्द्रबाला घोष(बंगमहिला),राधिकारमण प्रसाद सिंह –प्रमुख कहानीकार
- इंदुमती-किशोरीलाल गोस्वामी (1900ई॰)
- ग्यारह वर्ष का समय –आचार्य रामचंद्र शुक्ल (1903ई॰)
- दुलाई वाली –बंगमहिला(1907ई॰),एक टोकरी भर मिट्टी-माधवराव सप्रे (1901ई॰)
- उसने कहा था – चन्द्रधर शर्मा (1915ई॰)-सबसे लोकप्रिय कहानी

Telegram@Officialdumaterial

द्विवेदी युग :नाटक

- मौलिक नाटकों की संख्या कम
- अंग्रेज़ी ,बँगला ,संस्कृत भाषाओं से अनुवाद
- रोमियो एंड जूलियट ,मैकबेथ और हैमलेट –अंग्रेज़ी से अनुदित
- मृछ्कटिकम,उत्तर रामचरित ,मालती माधव ,मालविकाग्निमित्र –संस्कृत से अनुदित
- किशोरीलाल गोस्वामी ,हरिऔध ,शिवनंदन सहाय –प्रमुख नाटककार
- चौपट चपेट ,मयंक मंजरी ,रुक्मणी परिणय ,प्रद्युम्न विजय –चर्चित नाटक

Telegram:@Officialdumaterial

द्विवेदी युग :समालोचना

- रीतिवादी और आधुनिक प्रवृत्तियों में द्वन्द्व विषय पर अधिक आलोचना हुई
- आचार्य महावीर प्रसाद द्वेवेदी,मिश्रबंधु ,बदरीनाथ भट्ट ,पद्मसिंह शर्मा ,भगवानदीन –प्रमुख आलोचक
- हिन्दी नवरत्न,बिहारी और देव , देव और बिहारी ,नैषध चरित चर्चा ,विक्रमांक देव चरित चर्चा ,कालिदास की निरंकुशता –आलोचनात्मक ग्रन्थ

Telegram:@officialdumaterial

इकाई -4
गाँधी युग का साहित्य(1920 -1947)

- प्रस्तावना
- राष्ट्रपिता गाँधीजी के नाम से नामकरण
- स्वतंत्रता आन्दोलन में गाँधीजी का योगदान
- साहित्य,समाज,धर्म,और संस्कृति पर प्रभाव
- खडी-बोली गद्य का उत्कर्ष काल
- कहानी ,उपन्यास ,निबंध आदि विधाओं का विकास
- राष्ट्रीय चेतना से ओत-प्रोत कविताएँ
- यथार्थवादी-आदर्शवादी रचनाओं का सृजन

Telegram@Officialdumaterial

गाँधी युगीन निबंध

- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ,रामविलास शर्मा,रघुवीर सिंह,जयशंकर प्रसाद ,निराला,महादेवी वर्मा,आचार्य हजारी प्रस्साद द्विवेदी ,सियारामशरण गुप्त-प्रमुख निबंधकार
- चिंतामणी(शुक्ल),प्रबंध प्रतिमा(निराला),विवेचनात्मक गद्य(महादेवी वर्मा),अशोक के फूल (हजारी प्रसाद द्विवेदी)-निबंध रचनाएँ
- विषय वैविध्य,गंभीर चिंतन-मनन ,व्यंग्यात्मक शैली -विशेषताएँ

Telegram:@Officialdumaterial

गाँधी युगीन नाटक

- पुरानी नाट्य पद्धतियों का निषेध
- तत्कालीन सामाजिक,राजनीतिक परिवेश को नाटक में लाने का प्रयास
- ऐतिहासिक नाटकों का सृजन
- जयशंकर प्रसाद ,गोविन्द वल्लभ पन्त ,सेठ गोविन्द दास – ऐतिहासिक नाटककार
- लक्ष्मीनारायण मिश्र, उपेन्द्रनाथ अश्क ,भुवनेश्वर –सामजिक नाटककार
- डॉ .रामकुमार वर्मा -ऐतिहासिक एवं सामजिक नाटककार
- अजातशत्रु,राज्यश्री,जनमेजय का नागयज्ञ,शिवसाधान ा,रक्षाबंधन,आदि प्रमुख नाट्य रचनाएँ

Telegram:@Officialdumaterial

गाँधीयुगीन साहित्य :उपन्यास

- आम जनता की समस्याओं की प्रस्तुति
- किसानों की त्रासदी की अभिव्यक्ति
- नारी समस्या -अनमेल विवाह ,दहेजप्रथा ,सतीप्रथा ,विधवा समस्या ,
- अंधविश्वास,छुआछूत,बालविवाह ,शोषण
- देशप्रेम एवं सुधारवादी दृष्टिकोण
- सामाजिक उपन्यास,ऐतिहासिक उपन्यास,मनोवैज्ञानिक उपन्यास ,मार्क्सवादी उपन्यास

Telegram @Officialdumaterial

गाँधीयुगीन साहित्य :प्रमुख उपन्यासकार

- प्रेमचंद ,वृन्दावनलाल वर्मा,सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, जैनेन्द्र कुमार,यशपाल ,इलाचंद्र जोशी ,अज्ञेय –प्रमुख रचनाकार
- प्रेमचन्द -सेवासदन ,प्रेमाश्रम ,रंगभूमि ,कायाकल्प,निर्मला ,गबन,कर्मभूमि,गोदान ,मंगलसूत्र (अपूर्ण)
- वृन्दावनलाल वर्मा-गढ़ कुंडार ,विराट की पत्मिनी,झांसी की रान ी,मृगनयिनी
- निराला –अप्सरा,अलका ,निरूपमा,कुल्लीभाट
- इलाचंद्र जोशी –सन्यासी,पर्दे की रानी,प्रेत और छाया,
- अज्ञेय –शेखर एक जीवनी,नदी के द्वीप,अपने अपने अजनबी
- यशपाल-पार्टी कामरेड ,दादा कामरेड,अमिता,मनुष्य के रूप,झूठासच

Telegram:@Officialdumaterial

गाँधी युगीन कहानी

- प्रेमचंद ,जयशंकर प्रसाद ,जैनेद्र ,अज्ञेय,इलाचंद्र जोशी,सुदर्शन यशपाल –प्रमुख कहानीकार
- पंचपरमेश्वर ,बूढ़ी काकी, परिक्षा,सवा सेर गेहूं,शतरंज के खिलाड़ी,ठाकुर का कुआं नमक का दारोगा ,पूस की रात,कफ़न-प्रेमचंद
- पुरस्कार,इंद्रजाल,आकाशदीप ,ममता,प्रतिध्वनि,सालवती, बेडी-जयशंकर प्रसाद
- जान्हवी,पत्नी,मास्टर साहब,परख,एक रात,-जैनेन्द्र
- रोज़,खितीन बाबू,गैंग्रीन,कोठरी की बात,साबुन,पुलिस की सीटी-अज्ञेय
- रोगी,मिस्त्री,परित्यक्ता-इलाचंद्र जोशी,
- पिंजड़े की उडान,फूलों का कुर्ता,वो दुनिया –यशपाल
- हार की जीत,कमल की बेटी,प्रेम तरु,दो मित्र –सुदर्शन

Telegram@Officialdumaterial

गाँधी युगीन एकांकी

- एक घूँट (जयशंकर प्रसाद)–प्रथम एकांकी कहा जाता है
- डॉ.रामकुमार वर्मा,उपेन्द्रनाथ अश्क,भुवनेश्वर-प्रसिद्ध एकांकीकार
- एक तोले अफीम की कीमत,स्वर्ग का कमरा,लक्ष्मी का स्वागत,सूखी डाली,पहेली,स्ट्राइक ,प्रतिभा का विवाह-प्रसिद्ध एकांकी
- समस्यामूलक रचनाएँ –नारी स्वतंत्रता ,बालविवाह,अन्तेर्विवाह,छुआछूत,अंधविश्वास ,
- राष्ट्रीय गौरव एवं राष्ट्रीयता की भावना जगाने का प्रयास
- समस्याओं का यथार्थ चित्रण

Telegram:@officialdumaterial

गाँधी युगीन कहानी -प्रवृत्तियाँ

- सामाजिक ,राजनीतिक ,आर्थिक समस्याएं
- वर्ग संघर्ष,शोषण,सामजिक एवं नैतिक रूढियों पर आक्रोश
- मध्यवर्गीय जीवन की समस्या,छुआछूत,अंधविश्वास,संयुक्त परिवार की समस्या,भ्रष्टाचार,वैक्तिक समस्या
- प्रेम,करुणा,त्याग,बलिदान ,नारी जावन की समस्या

Telegram:@Officialdumaterial

गाँधी युगीन कविता –छायावाद (1920-1936)

- 1920 से छायावाद युग का प्रारंभ
- आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने इसे “इसाई मत में ‘छाया’ अर्थ देनेवाला फैंटसमैटा “ शब्द से जोड़ दिया है
- नंददुलारे वाजपेयी ने “अध्यात्मिक छाया का भास” कहा है
- डाँ॰नगेन्द्र ने “स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह “कहा है
- नामवर सिंह के अनुसार” छायावाद उस राष्ट्रीय जागरण की काव्यात्मक अभिव्यक्ति है जो एक ओर पुरानी रूढ़ियों से मुक्ति चाहता था और दूसरी ओर विदेशी पराधीनता से” .

Telegram@Officialdumaterial

छायावाद की प्रवृत्तियाँ

- वैयक्तिकता –काव्य में प्रस्तुत अनुभूतियों को अपनी अनुभूतियाँ समझ कर अभिव्यक्ति देने का प्रयास
- जिज्ञासा –जीवन जगत के रहस्यों को जान लेना चाहता है
- प्रकृति चित्रण –प्रकृति में मानवीय चेतना की अभिव्यक्ति
- नारी वर्णन -नारी के दो रूप,दैविक और लौकिक
- राष्ट्रीय स्वाधीनता.सादृश्य विधान और मुक्त छंद का प्रयोग

Telegram@Officialdumaterial

छायावाद के चार स्तंभ

- जयशंकर प्रसाद(1890-1937) –कानन कुसुम,प्रेम पथिक ,महाराणा का महत्व ,झरना ,आँसू,लहर,कामायनी –प्रमुख काव्य रचनाएँ
- कामायनी- छायावादी महाकाव्य,रहस्यवाद की प्रवृत्ति
- सूर्यकांत त्रिपाठी ‘निराला’(1897-1963)-अनामिका ,परिमल,गीतिका,अपरा ,कुकुरमुत्ता –प्रमुख कविताएँ
- वैयक्तिक जीवन के सत्य की अभिव्यक्ति,प्रकृति पर मानवीय चेतना का आरोप

Telegram:@officialdumaterial

छायावाद के चार स्तंभ

- सुमित्रानंन्दन पन्त(1900-1977)-उच्छ्वास,ग्रंथि,वीणा,
- गुंजन,पल्लव,युगांत,ग्राम्या,चितंबरा –काव्य कृतियाँ
- चितंबरा केलिए ज्ञानपीठ पुरस्कार
- प्रकृति वर्णन
- महादेवी वर्मा(1907-1987)-नीहार,नीरजा,दीपशिखा ,यामा ,सांध्यगीत –काव्य रचनाएँ
- महादेवी वर्मा –आधुनिक मीरा कहा जाता है
- प्रकृति का मानवीकरण,रहस्यवादी चेतना
- विरह की तीव्रता
- ‘यामा’को ज्ञानपीठ पुरस्कार

Telegram:@officialdumaterial

छायावादोत्तर काव्य

- दो आलग काव्य प्रवृत्तियाँ-प्रणयमूलक वैयक्तिक काव्यधारा(प्रेम और मस्ती की कविताएँ)और राष्ट्रीय काव्यधारा
- प्राचीनता का विरोध ,मस्ती,नश्वरता की अनुभूति ,सभी प्रकार की संकीर्णता का विरोध
- हरिवंशराय बच्चन ,रामेश्वर शुक्ल अंचल ,नरेन्द्र शर्मा –प्रणय मूलक वैयक्तिक काव्यधारा के प्रवर्तक
- मधुशाला,मधुबाला,मधुकलश,निशानिमंत्रण,मिलन यामिनी –बच्चन की कविताएँ
- रामेश्वर शुक्ल अंचल –मधूलिका,अपराजिता,किरणबेला –प्रमुख रचनाएँ
- नरेंद्र शर्मा –शूल-फूल,प्रभातफेरी ,सुवर्णा,उत्तर्जय ,पलाशवन,कदलीवन –मुख्य रचनाएँ

Telegram@Officialumaterial

छायावादोत्तर काव्य –राष्ट्रीय काव्यधारा

- रामधारी सिंह ‘दिनकर ‘,माखनलाल चतुर्वेदी ,बालकृष्ण शर्मा नवीन ,सुभद्राकुमारी चौहान,रामनरेश त्रिपाठी –प्रमुख रचनाकार
- देशभक्ति एवं राष्ट्रीयता की भावना,स्वतंत्रता संग्राम केलिए उत्बोधन ,बलिदान की भावना ,वीर भावों की प्रधानता ,जन जागरण का सन्देश –प्रमुख विशेषताएँ
- रेणुका हुंकार, कुरुक्षेत्र ,परशुराम की प्रतीक्षा ,पुष्प की अभिलाषा ,झांसी की रानी –पामुख रचनाएँ

Telegram:@Officialdumaterial

प्रगतिशील काव्य

- 1936-प्रगतिशील लेखक संख की स्थापना
- निम्न वर्ग की ओर दृष्टि डालने का प्रयास
- शोषण का विरोध,शोषितों की मुक्ति,नया सौन्दर्य बोध ,व्यंग का चित्रण ,प्रकृति वर्णन ,प्रेम की अभिव्यक्ति आदि मुख्य विशेषताएँ
- नागार्जुन,केदारनाथ अग्रवाल ,मुक्तिबोध ,रामविलास शर्मा ,गिरिजाकुमार माथुर आदि प्रमुख रचनाकार
- बादल को घिरते देखा है,बसन्ती हवा ,धुप में जग-रूप सुन्दर ,प्रेत का बयान,अकाल और उसके बाद,धरती,मिट्टी की बारात, प्रसिद्ध रचनाएँ
- 1943-तारसप्तक का सम्पादन

Telegram:@Officialdumaterial

इकाई-5
स्वातंत्र्योतर हिन्दी साहित्य

- प्रस्तावना
- सामाजिक,राजनीतिक,सांस्कृतिक परिवेश का परिचय
- हिन्दी साहित्य की नयी रीतियों पर विचार करना
- आधुनिक रचनाकार एवं उनकी रचनाएँ
- स्वातंत्रयोतर साहित्य की मूल प्रवृत्तियाँ

Telegram:@Officialdumaterial

स्वातंत्र्योतर हिन्दी साहित्य :विशेषताएँ

- विभाजन की त्रासदी –सबसे बड़ी समस्या
- गाँवों से शहर की ओर जाने की समस्या
- अकेलापन की मानसिकता
- नारी शिक्षा में प्रगति
- नारी समस्या –स्वावलंबी नारी का चित्रण
- पारिवारिक जीवन ,'नर-नारी सम्बन्ध आदि की अभिव्यक्ति
- अस्तित्ववादी दर्शन का प्रभाव
- मोहभंग,क्षणता ,व्यंग आदि का चित्रण

Telegram:@Officialdumaterial

दलित चेतना

- सत्तर के बाद आये एक नया साहित्यिक आन्दोलन
- समाज से बहिष्कृत दलित समाज की समस्याओं की अभिव्यक्ति
- डॉं.जयप्रकाश कर्दम ,ओमप्रकाश वाल्मीकि ,सूरजपाल चौहान आदि प्रसिद्ध रचनाकार
- जूठन (आत्मकथा) छप्पर (प्रथम उपन्यास) बस बहुत हो चुका है (कविता) सलाम , घुसपैठिए (कहानी)
- जातीयता,वर्ण-व्यवस्था ,अंधविश्वास ,छुआछूत आदि का विरोध
- सामाजिक एवं राजनीतिक मान-सम्मान केलिए संघर्ष

Telegram@Officialdumaterial

स्वातंत्र्योतर हिन्दी साहित्य: नारी चेतना

- नारी समाज की समस्याओं की अभिव्यक्ति
- सामाजिक और राजनीतिक मान-सम्मान केलिए संघर्ष
- नारी स्वतंत्रता एवं समानता मुख्य स्वर
- ममता कालिया, मैत्रयी पुष्पा, उषा प्रियंवदा, मृदुला गर्ग, प्रभा खेतान, चित्रा मुद्गल, कात्यायनी -प्रमुख महिला लेखक
- सात भाईयों के बीच चंपा, सीमा रेखा, मैं किसकी औरत हूँ , अन्या से अनन्या, ज़िंदगीनामा, शेषयात्रा, अल्मा कबूतरी, मित्रो मरजानी-प्रसिद्ध रचनाएँ

Telegram@Officialdumaterial

उत्तराधुनिकता

- सोवियत संघ के विघटन के बाद उत्तराधुनिकता का प्रचार-प्रसार हुआ
- उपेक्षित जनता की चिंता करने का दावा करता है
- समास्याओं को सामान रूप से देखने का प्रयास (किसी भी समस्या को प्राधमिकता नहीं है
- व्यंग्य की प्रवृत्ति बढ़ने लगी
- कविता गद्य के निकट आयी
- कहानी में आत्मालाप की प्रवृत्ति नज़र आने लगी

Telegram:@officialdumaterial

स्वातंत्र्योतर कविता

- नई कविता की शुरुआत
- 1951-दूसरा सप्तक,1953-तीसरा सप्तक –अज्ञेय (संपादक)
- हरिनारायण व्यास,भवानीप्रसाद मिश्र ,शमशेरबहादुर सिंह,नरेश मेहता ,शकुन्त माथुर ,रघुवीर सहाय,और धर्मवीर भारती –दूसरे सप्तक के प्रमुख कवि
- प्रतापनारायण त्रिपाठी,कुँवर नारायण,कीर्ति चौधरी ,सर्वेश्वरदयाल सक्सेन ा,मदन वात्स्यायन ,और विजयनारायण साही -तीसरे सप्तक के कवि
- कविता की निजता की सुरक्षा –प्रयोगवादी काव्य की विशेषता
- मोहभंग एवं उससे उत्पन्न व्यंग विद्रूपता की मनस्थिति का चित्रण
- लघु मानव की प्रतिष्ठा –नई कविता की विशेषता
- शमशेरबहादुर सिंह,अज्ञेय आदि की रचनाएँ उल्लेखनीय
- अकविता –(1960 के बाद)-परम्परा को पूर्ण रूप से नकारने की प्रवृत्ति

Telegram:@Officialdumaterial

प्रगतिशील काव्यधारा

- शमशेरबहादुर सिंह,नरेश मेहता ,गिरिजाकुमार माथुर,भवानीप्रसाद मिश्र,मुक्तिबोध धूमिल आदि
- बिम्बों का प्रयोग,मानव के दो पक्षों की अभिव्यक्ति -स्वार्थी एवं आदर्शवादी,अवसरवादी,सुविधा जीवी मानव का चित्रण, सामाजिक यथार्थ का चित्रण,छंद,अलंकार आदि का नकार
- संसद से सड़क तक,कल सुनना मुझे,कुआनो नदी,यहाँ से देखो,चाँद का मुँह टेढ़ा आदि चर्चित कविताएँ
- चंद्रकांत देवताले,मंगलेश डबराल,अरुण कमल,अनामिक ◌ा,नीलेश रघुवंशी,आलोक धन्वा ,सविता सिंह -समकालीन कवि

Telegram:@officialdumaterial

स्वातंत्र्योतर उपन्यास

- आंचलिक उपन्यास –फणीश्वरनाथ रेणु,भैरवप्रसाद गुप्त ,राही मासूम राजा ,अब्दुल बिस्मिल्लाह-प्रमुख उपन्यासकार
- मैला आँचल,रतिनाथ की चाची, बलचनमा ,अंधा गाँव, झीनी झीनी बीनी चदरिया –प्रमुख रचनाएँ
- राजनीतिक उपन्यास-यशपाल अमृतलाल नागर,भीष्म साहनी –प्रमुख रचनाकार
- झूठा –सच ,बूँद और समुद्र ,तमस-चर्चित उपन्यास
- सामाजिक-पारिवारिक उपन्यास-मोहन राकेश,भगवतीचरण वर्मा, राजेन्द्र यादव,उपेन्द्रनाथ अश्क ,रमाकांत पसिद्ध रचनाकार
- टेढे मेढ़े रास्ते,भूले बिसरे चित्र,अँधेरे बन्ध कमरे,गिरती दीवारें आदि प्रसिद्ध रचनाएँ

Telegram:@Officialdmaterial

स्वातंत्र्योतर उपन्यास

- अस्तित्ववादी उपन्यास –अपने अपने अजनबी,शेखर एक जीवनी प्रसिद्ध उपन्यास –अज्ञेय प्रमुख रचनाकार
- ऐतिहासिक उपन्यास-वृन्दावनलाल वर्मा,राहुल सांकृत्यायन,चतुरसेन शास्त्री,अमृतलाल नागर ,आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी –प्रमुख रचनाकार
- मृगनयनी,सिंह सेनापति,वैशाली की नगर वधु,अनामदास का पोथा ,पुनर्नवा आदि –प्रसिद्ध रचनाएँ
- महानगरीय उपन्यास-जगदंबाप्रसाद दीक्षित ,पंकज बिष्ट ,मंनुभंडारी अलका सरावगी -प्रसिद्ध रचनाकार
- आप का बंटी,कलिकथा वाया बाईपास ,लेकिन दरवाज़ा ,-उल्लेखनीय रचनाएँ

Telegram:@officialumaterial

स्वातंत्र्योतर कहानी

- 1955ई॰ से नई कहानी आन्दोलन की शुरुआत
- शिवप्रसाद सिंह ,मारकंडेय,फणीश्वरनाथ रेणु,मोहन राकेश,कमलेश्वर ,कृष्णा सोबती, भीष्म साहनी ,राजेन्द्र यादव –आदि उल्लेखनीय रचनाकार
- दादी माँ,गुलेरा के बाबा ,तीसरी कसम,एक और ज़िंदगी ,राजा निराबंसिया,मित्रो मरजानी,चीफ की दावत ,वापसी –चर्चित कहानियाँ
- आंचलिकता ,नए पारिवारिक संबंध, भ्रष्टाचार ,शिक्षित एवं नौकरी प्राप्त नारी की समस्या,बुजुर्गों की हालत,नए स्त्री-पुरुष सम्बन्ध आदि समस्याओं की अभिव्यक्ति

Telegram:@officialdumaterial

स्वातंत्र्योतर नाटक एवं एकांकी

- मृत्युंजय,शकविजय,कोणार्क,पहला राजा ,अंधायुग ,आषाढ़ का एक दिन,आधे अधूरे ,लहरों का राजहंस ,आठवाँ सर्ग ,माधवी,कबीरा खडा बाज़ार में –प्रमुख नाट्य कृतियाँ
- जगदीशचन्द्र माथुर ,धर्मवीर भारती,मोहन राकेश ,लक्ष्मीनारायण लाल,सुरेन्द्र वर्मा ,भीष्म साहनी –प्रसिद्ध नाटककार
- उपेन्द्रनाथ अश्क,भुवनेश्वर,विष्णु प्रभाकर ,विनोद रस्तोगी आदि-एकांकीकार
- इन्सान ,दस बजे रात,स्ट्राइक, लक्ष्मी का स्वागत, कर्फ्यू,आज का आदमी आदि प्रमुख रचनाएँ

Telegram:@officialdumaterial

स्वातंत्र्योतर साहित्य -निबंध

- आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी ,अज्ञेय ,रामवृक्ष बेनीपुरी,डाँ नगेन्द्र,हरिशंकर परसाई ,बाबू गुलाबराय शिवपूजन सहाय –प्रमुख निबंधकार
- कुटज,शिरीष के फूल,भारतीय संस्कृति की देन ,ब्रज भाषा का गद्य,फिर निराशा क्यों ,मन की बातें,आत्मनेपद ,त्रिशंकु,सदाचार का ताबीज –प्रमुख निबंध साहित्य
- वैचारिक,भावात्मक, विवरणात्मक ,वर्णनात्मक,आत्मपरक निबंधों का सृजन
- सामाजिक,राजनीतिक समस्याओं की अभिव्यक्ति

Telegram:@officialdumaterial

स्वातंत्र्योतर समालोचना

- आचार्य नंददुलारे वाजपेयी ,आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेद ी,डॉं॰नगेन्द्र ,डॉं॰रामविलास शर्मा ,डॉं॰नामवर सिंह शिवदानसिंह चौहान –प्रसिद्ध आलोचक
- हिन्दी साहित्य बीसवीं सदी,आधुनिक साहित्य,हिन्दी साहित्य की भूमिका ,कबीर,साकेत :एक अध्ययन,रस सिद्धांत ,प्रगति और परम्परा ,प्रगतिशील साहित्य की समस्याएँ,कहानी और नई कहानी,छायावाद,प्रगतिवाद –चर्चित आलोचनात्मक ग्रन्थ

Telegram:@Officialdumaterial

गद्य की अन्य विधाएं

- रिपोर्ताज,आत्मकथा,जीवनी ,रेखाचित्र/संस्मरण,यात्रावृत्तांत ,ज्ञान साहित्य ,पत्र साहित्य आदि
- रिपोर्ताज- तूफानों के बीच (रांगेय राघव),युद्ध यात्रा (धर्मवीर भारती)लक्ष्मीपुरा (शिवदानसिंह चौहान),लाल धरती (अमृतराय)
- आत्मकथा –अर्द्ध कथानक-(बनारसीदास जैन) –हिन्दी की पहली आत्मकथा
- सिहावलोकन (यशपाल),मेरी असफलताएँ(गुलाबराय),मेरी जीवनयात्रा (राहुल सांकृत्यायन)अपनी धरती अपने लोग(रामविलास शर्मा)

Telegram:@Officialdumaterial

गद्य की विभिन्न विधाएँ

- जीवनी -अमृतराय,रामविलास शर्मा ,विष्णु प्रभाकर,--प्रमुख रचनाकार
- कलम का सिपाही(अमृत राय)आवारा मसीहा (विष्णु प्रभाकर),निराला की साहित्य साधना(रामविलास शर्मा),पन्त की जीवनी (शान्ति जोशी) महत्वपूर्ण रचनाएँ
- रेखाचित्र /संस्मरण-महादेवी वर्मा ,रामवृक्ष बेनीपुरी,आचार्य विनयमोहन शर्मा ,जगदीशचंद्र माथुर –प्रसिद्ध रचनाकार
- अतीत के चलचित्र ,स्मृति की रेखाएं,पथ के साथी(महादेवी वर्मा),रेखाएं और रंग(विनयमोहन शर्मा),माटी की मूरतें,लाल तारा(रामवृक्ष बेनीपुरी), दस तस्वीरें (जगदीशचन्द्र माथुर)-प्रसिद्ध रेखाचित्र
- ज्ञान का साहत्य-शब्दानुशासन (किशोरीदास वाजपेयी),हिन्दी विश्वकोश (काशी नागरी प्रचारिणी सभा)साहित्य कोश(ज्ञानमंडल ,बनारस)
- पत्र साहित्य-शिवशंभु के चिट्ठे(बालमुकुन्द गुप्त)मित्र संवाद (रामविलास शर्मा) पाया पत्र तुम्हारा (नेमिचन्द्र जैन)

Telegram-@Officialdumaterial

हिन्दी साहित्यिक पत्रिकाएँ

- कविवचन सुधा (1868),हरिश्चन्द्र मैगजीन (1873),बालबोधिनी (1874) –भारतेंदु(संपादक)
- हिन्दी प्रदीप (1877)-बालकृष्ण भट्ट(संपादक) ,सरस्वती (1900)-चिंतामणि घोष ,श्यामसुंदर दास(संपादक)
- प्रताप,चाँद, माधुरी, सुधा,हंस,वसुधा ,नई कविता आदि प्रमुख पत्रिकाएँ
- आलोचना-समीक्षा पर केन्द्रित –शिवदानसिंह चौहान (प्रथम संपादक)
- नटरंग –नाटक पर केन्द्रित –नेमिचंद्र जैन (संपादक)
- आजकल-केंद्र सरकार की पत्रिका

Telegram:@officialdumaterial